web: www.nyaysakshi.com ‖ पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल ‖ पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शनिवार 22 जनवरी 2022 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 116

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर में 22, 23 जनवरी को बारिश, बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर (आरएनएस)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 22 और 23 जनवरी के दौरान व्यापक बारिश/बर्फबारी की भविष्यवाणी की है, इससे सतही और हवाई परिवहन में व्यवधान की आशंका है। आईएमडी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण 22 और 23 जनवरी के दौरान जम्मू-कश्मीर में व्यापक रूप से मध्यम बारिश / हिमपात होने की संभावना है। श्रीनगर में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में माइनस 2.4 डिग्री और गुलमर्ग में माइनस 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख में, द्रास में रात का न्यूनतम तापमान शून्य से 21.4, लेह में शून्य से 10.3 और कारगिल में शून्य से 14.2 नीचे दर्ज किया गया। जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री, कटरा में 8.2, बटोटे में 2.4, बनिहाल में 1.8 और भद्रवाह में 1.7 डिग्री दर्ज किया गया।

इस्लामिक स्टेट के आतंकियों का बगदाद में सेना के बैरक पर हमला, 11 सैनिकों की मौत

बगदाद । इस्लामिक स्टेट चरमपंथी समूह के बंदूकधारियों ने बृहस्पतिवार को उत्तरी बगदाद के एक पहाड़ी इलाके में सेना के बैरक पर हमला कर दिया, जिसमें 11 सैनिकों की मौत हो गई। हमले के समय सैनिक सो रहे थे। इराक के सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि हमला अल-अजीम जिले में हुआ, जो दियाला प्रांत में बकूबाह के उत्तर में स्थित खुला स्थान है। हमले के बारे में अभी विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है। दो अधिकारियों ने बताया कि इस्लामिक स्टेट समूह के आतंकवादी स्थानीय समयानुसार तड़के 3 बजे बैरक में घुस गए और उन्होंने सैनिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। राजधानी बगदाद से 120 किलोमीटर (75 मील) उत्तर में किया गया यह हमला, हाल के महीनों में इराकी सेना को निशाना बनाकर किये गये सबसे घातक हमलों में से एक है।

कुवैत में पेट्रोलियम कंपनी के एक केंद्र में आग लगी

दुबई । कुवैत नेशनल पेट्रोलियम कंपनी के एक केंद्र पर शुक्रवार तड़के आग लग गयी। कंपनी के एक संक्षिप्त बयान के अनुसार पूर्वी कुवैत के शुएबा औद्योगिक क्षेत्र में लगी आग की इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। एक पेट्रोलियम कोक फ्लोलाइन में यह आग लगी थी। यह शोधित कच्चे तेल का कोयले जैसा सह-उत्पाद होता है, जिसका इस्तेमाल इस्पात और एल्युमिनियम उद्योग में किया जाता है। करीब एक सप्ताह पहले ही इसी कंपनी की एक बड़ी तेल रिफाइनरी में रख-रखाव के काम के दौरान भयावह आग लग गयी थी, जिसमें दो एशियाई कर्मी मारे गये थे। इस घटना में 10 अन्य कर्मी घायल हो गये थे, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई गयी थी। इससे तीन महीने पहले भी इसी रिफाइनरी में आग की घटना में कई लोग घायल हो गये थे।

बारात की बस खाई में गिरी

» दूल्हा-दूल्हन सहित 19 बराती घायल, एक मौत

पौड़ी। शुक्रवार को नेशनल हाईवे बुआखाल -रामनगर पर शंकरपुर के पास एक बारात की बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूल्हा-दूल्हन सहित 19 बराती घायल हो गए। घायलों में 3 से 4 बारातियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को रामनगर रेफर कर दिया गया है। फिलहाल हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है। बारात गाजियाबाद से नलई गांव आई थी। जानकारी के अनुसार गुरुवार को यह बरात नैनीडांडा ब्लाक के नलाई गांव में आई थी और शुक्रवार को वापस जा रही थी। वापस जाते हुए दोपहर करीब साढ़े 12 बजे यह बस पौड़ी और अल्मोड़ा जिले के बॉडर पर अनियंत्रित होकर सड़क से करीब सौ मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूल्हा -दुल्हन सहित 19 अन्य बाराती घायल हो गए। हादसे की सूचना पर धुमाकोट और अल्मोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों के साथ रेस्क्यू किया। थाना प्रभारी धुमाकोट प्रदीप तिवाड़ी ने बताया कि बस में दूल्हा -दूल्हन भी सवार थे।

आज से इंडिया गेट पर नहीं जलेगी अमर जवान ज्योति, पांच दशकों से जल रही लौ का राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में होगा विलय

नईदिल्ली (आरएनएस)। इंडिया गेट पर बने अमर जवान ज्योति की मशाल की लौ आज से बंद हो जाएगी। दरअसल इंडिया गेट पर पिछले 50 साल से जल रही अमर जवान ज्योति का आज राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर जल रही लौ में विलय होगा। अमर जवान ज्योति की स्थापना उन भारतीय सैनिकों की याद में की गई थी, जोकि 1971 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए थे। इस युद्ध में भारत की जीत हुई थी और बांग्लादेश का गठन हुआ था।

बता दें कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 26 जनवरी 1972 को इसका उद्घाटन किया था। सेना के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सेना के अधिकारियों ने बताया कि अमर जवान ज्योति का आज दोपहर को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर जल रही लौ में विलय किया जाएगा, जोकि इंडिया गेट के दूसरी तरफ केवल 400 मीटर की दूरी पर स्थित है।

इंडिया गेट स्मारक ब्रिटिश सरकार द्वारा 1914-1921 के बीच अपनी जान गंवाने वाले ब्रिटिश भारतीय सेना के सैनिकों की याद में बनाया गया था। वहीं, अमर जवान ज्योति को 1970 के दशक में पाकिस्तान पर भारत की भारी जीत के बाद स्मारक संरचना में शामिल किया गया था, जिसमें दुश्मन देश के 93,000 सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। लंबे इंतजार के बाद नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा इंडिया गेट परिसर में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक बनाया गया था और 2019 में इसका उद्घाटन किया गया था, जहां 25,942 सैनिकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखे गए हैं। युद्ध स्मारक में भवन निर्माण के बाद, सभी सैन्य औपचारिक कार्यक्रमों को इसमें स्थानांतरित कर दिया गया था।

अधिकारी ने बताया है कि इस साल गणतंत्र दिवस समारोह 24 जनवरी के बदले 23 जनवरी से ही शुरू होगा और 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर खत्म होगा। 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती है। उन्होंने कहा, 'सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मनाई जाएगी। 23 जनवरी को इंडिया गेट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने वालों को सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार से सम्मानित करेंगे।'

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर दिल्ली पुलिस ने कहा कि 20 जनवरी से राष्ट्रीय राजधानी में यूएवी (ड्रोन), पैरा-ग्लाइडर और गर्म हवा के गुब्बारों सहित अन्य उप-पारंपरिक हवाई संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह आदेश 20 जनवरी से लागू होगा और 15 फरवरी तक प्रभावी रहेगा। कुछ आपराधिक या असामाजिक तत्वों, आतंकवादियों द्वारा आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने संबंधी खबरों के बीच दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना द्वारा यह आदेश जारी किया गया है।

कोरोना के दौरान बच्चों में आए बदलाव को समझने के लिए बड़े स्तर पर सर्वे होगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना महामारी के दौरान स्कूलों के बंद होने के कारण न केवल बच्चों की पढ़ाई का नुकसान हुआ है बल्कि वो मेंटल व इमोशनल रूप से भी प्रभावित हुए है। इन दो सालों में बच्चों की दुनिया केवल अपने घरों के किसी कमरे तक सिमट कर रह गई है। लम्बे समय तक स्कूलों से दूर रहने के कारण बच्चों में मानसिक तनाव और डर की स्थिति पैदा हो रही है। इस स्थिति को समझने और कोरोना के कारण बच्चों पर हुए प्रभाव की जाँच करने के साथ-साथ उसे दूर करने के लिए दिल्ली सरकार बड़े स्तर पर सर्वे व स्टडी करवाने जा रही है7 इस सर्वे के आधार पर दिल्ली के बहुचर्चित 'हैप्पीनेस करिकुलम' को एक्सपर्ट्स की मदद से अपडेट किया जाएगा ताकि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के मेंटल-इमोशनल वेल-बींग का ध्यान रखा जा सके। इस बाबत उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण पिछले 2 साल काफी मुश्किल भरे रहे है और स्कूली बच्चों के लिए तो ये समय काफी तनावपूर्ण रहा है। स्कूलों के बंद होने के कारण बच्चों की पूरी दुनिया घर पर ही सिमट कर रह गई है। कोरोना के कारण बच्चों में भय और तनाव की स्थिति पैदा हुई है। बच्चों को दोबारा सामान्य स्थिति में लाने के लिए उनकी मनोदशा को समझना बेहद जरुरी है। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने बड़े स्तर पर एक स्टडी करने का निर्णय लिया है ताकि ये समझा जा सके कि पिछले 2 साल में बच्चों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति में किस प्रकार के बदलाव आए है और उनके वेल-बींग के लिए क्या कदम उठाए जा सकते है। सिसोदिया ने कहा कि हैप्पीनेस करिकुलम ने हमारे स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के मेंटल-इमोशनल वेल-बींग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ठंड ने तोड़ा 7 साल का रिकॉर्ड, लगातार 10 दिन रहे सर्द : अगले दो दिन में बारिश की संभावना

नईदिल्ली (आरएनएस)। इस बार ठंड रिकॉर्ड तोड़ रही है। दिल्ली में ठंड ने इस बार सात सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सफदरजंग समेत अन्य मानक केंद्रों पर सात से 10 दिन तक सबसे लंबा सर्द दिन का दौर रिकॉर्ड किया गया है। इससे पहले साल 2015 में 11 से 13 दिनों तक सर्द दिन का दौर रिकॉर्ड किया गया था। मौसम वैज्ञानिकों का दावा है कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के बाद सर्दी दोबारा रंग दिखा सकती है। इससे ये नया रिकॉर्ड भी टूट सकता है। मौसम विभाग का मानना है कि अभी सर्दी से राहत नहीं मिलने वाली है। इसे के साथ कोहरा भी बना रहेगा, वहीं अगले दो दिन बारिश होने की संभावना है। पिछले हफ्ते से दिल्ली के अलग-अलग मानक केंद्रों पर ज्यादातर पारा सामान्य से चार से लेकर पांच डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया जा रहा है। वहीं कुछ मानक केंद्रों पर ये सामान्य से 6 डिग्री तक लुढ़का है। पिछले 14 जनवरी को नरेला में अधिकतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जबकि 15 जनवरी को ये लुढ़क कर 10.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। रिपोर्ट के अनुसार इसी तरह जफरपुर में भी 15 जनवरी को अधिकतम तापमान 10.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सफदरजंग मानक केंद्रों पर 15.4, पालम में 14.6, लोधी रोड में 15.8 और रिज इलाके में 14.6 अधिकतम तापमान रहा था। ये सामान्य से साढ़े चार से लेकर साढ़े पांच डिग्री सेल्सियस तक कम दर्ज किया गया था।

डीएसईयू में यूनिवर्सिटी प्रीलिम्स संपन्न हुए, क्षेत्रीय स्तर के लिए 8 छात्रों का हुआ चयन

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद 2022 के लिए दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किये गए यूनिवर्सिटी प्रीलिम्स संपन्न हो गए हैं। प्रतियोगिता में डीएसईयू के 500 से अधिक छात्रों ने आवेदन किया। जिनमें से 119 छात्रों को समूह चर्चा के लिए चुना गया। विश्वविद्यालय ने क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए यूनिवर्सिटी प्रीलिम्स से चुने गए सर्वश्रेष्ठ 8 छात्रों की घोषणा कर दी है।पर्यावरण संरक्षण गतिविधि (पीएसजी) द्वारा देश भर के विश्वविद्यालयों में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देयेश युवाओं के बीच जागरूकता बढ़ाना एवं उन्हें मौजूदा पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान खोजने की दिशा में प्रोत्साहित करना है।

उप कुलपति प्रो. नेहारिका वोहरा ने छात्रों को पर्यावरण से संबंधित विषयों 'उर्जा के वैकल्पिक स्रोत', 'प्लास्टिक से जुड़े पर्यावरण के अनुकूल अपशिष्ट प्रबंधन' आदि पर अपने विचार व्यक्त कर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी प्रीलिम्स में प्रत्येक छात्र का प्रयास सराहनीय रहा है। हम सभी चुने गए छात्रों को क्षेत्रीय दौर के लिए शुभकामनाएं देते हैं। इन संवादों के मकसद को याद रखना एवं अपने पर्यावरण को स्वस्थ बनाने के लिए छोटे-छोटे कदम उठाने का संकल्प लेना जरूरी है। अपने साथियों से सीखें एवं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से इस प्रतियोगिता में भाग लें।

नोडल अधिकारीयों डॉ. अचला कौशल एवं डॉ. रश्मि पंवार ने कहा कि समूह चर्चा दौर के लिए छात्रों की निष्ठा को देखकर हमें बेहद खुशी है। जूरी सदस्य एवं मॉडरेटर्स अल्पना सिंह, गौतम पांडा, डॉ. ज्योति कुलकर्णी, कल्प मिश्रा, डॉ एमडी जोशी, डॉ ममता आर सिंह, डॉ रविंद्र सिंह चौहान, डॉ रेखा वलेचा, रिनियो नानी, डॉ साहिल कौल, सीमाब अहमद, स्मृति महापात्रा, विनीता गुप्ता का यूनिवर्सिटी प्रीलिम्स के लिए छात्रों का मार्गदर्शन एवं तैयारी कराने के लिए महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यूनिवर्सिटी प्रीलिम्स में शीर्ष 3 स्थान पर नवनीत सिंह (बी.बी.ए., द्वितीय वर्ष), अभिषेक रोहन (मास्टर्स ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन, प्रथम वर्ष) एवं जीया ठुकराल (बी.एस.सी. मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, प्रथम वर्ष) रहे।

विश्व के 'मोस्ट पॉपुलर' नेताओं की सूची में टॉप पर पीएम मोदी

» ग्लोबल सर्वे में बिडेन जैसे दिग्गजों को पछाड़ा

नईदिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका की डाटा इंटेलिजेंस फर्म मॉर्निंग कंसल्ट ने दुनियाभर के नेताओं की ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग को लेकर एक ताजा सर्वे कर नेताओं की लोकप्रियता का पता लगाया है और पीएम मोदी इस लिस्ट में शीर्ष स्थान पर फिर से काबिज हुए हैं। मॉर्निंग कंसल्ट वर्ल्ड के टॉप लीडर्स की अप्रूवल रेटिंग ट्रैक करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस लिस्ट में टॉप पर हैं। इसमें मोदी की ग्लोबल अप्रूवल रेटिंग 71 प्रतिशत है।

रेटिंग के अनुसार, पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, यूके के पीएम बोरिस जॉनसन और कई अन्य राजनीतिक हस्तियों को पछाड़ दिया है।

मॉर्निंग कंसल्ट पॉलिटिकल इंटेलिजेंस द्वारा 'नवीनतम अनुमोदन रेटिंग 13 से 19 जनवरी, 2022 तक एकत्र किए गए डेटा पर आधारित है।

अनुमोदन रेटिंग प्रत्येक देश में सात-दिवसीय चलती है। औसत या वयस्क निवासियों पर आधारित होती है, जिसमें सैंपल अलग-अलग होते हैं।' यह पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी को सबसे लोकप्रिय नेता चुना गया था। मई 2020 में, उन्होंने 84 प्रतिशत लोकप्रियता के साथ सूची में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, मई 2021 में, अनुमोदन रेटिंग 63 प्रतिशत तक गिर गई। सितंबर 2021 में, पीएम मोदी को फिर से सबसे स्वीकृत वैश्विक नेता का दर्जा दिया गया।

न्यू प्रमुख वैश्विक नेताओं में, मेक्सिको के राष्ट्रपति लोपेज़ ओब्रेडोर 66 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर थे और इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी, जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज़, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन समेत कई बड़े नेताओं को लोकप्रियता के ग्राफ में पीछे छोड़ दिया है। इटली के प्रधान मंत्री मारियो ड्रैगी की 60 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग है। नवंबर 2021 से उनकी रेटिंग में 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जबकि राष्ट्रपति बाइडेन को 43 प्रतिशत वोट मिले, ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन और यूके के पीएम जॉनसन को 37 प्रतिशत, 34 प्रतिशत और 26 प्रतिशत रेटिंग के साथ सबसे कम लोकप्रिय नेताओं के रूप में वोट दिया गया।

जनवरी 2022 तक की रेटिंग में कहा गया है कि औसत भारतीय (साक्षर) आबादी के 71 प्रतिशत ने पीएम मोदी को मंजूरी दी, जबकि केवल 21 प्रतिशत ने उन्हें अस्वीकार कर दिया। फिर भी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की बात आई, तो लगभग 49 प्रतिशत अमेरिकी आबादी ने उन्हें नापसंद किया। इसके अलावा, कम से कम 56 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों का यह भी मानना था कि बाइडेन ने नौकरी के प्रदर्शन के क्षेत्रों में पूर्व-अमेरिकी राष्ट्रपतियों को पीछे नहीं छोड़ा है।

इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी

» प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह घोषणा की है कि इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की एक भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। जब तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की यह भव्य प्रतिमा पूरी नहीं हो जाती, तब तक वहां उनकी एक होलोग्राम प्रतिमा लगेगी जिसका प्रधानमंत्री 23 जनवरी, 2022 को अनावरण करेंगे।

ट्वीट की एक श्रृंखला में उन्होंने ने कहा कि ऐसे समय में जब पूरा देश नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती मना रहा है, मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि ग्रेनाइट से बनी उनकी यह भव्य प्रतिमा इंडिया गेट पर स्थापित की जाएगी। यह प्रतिमा उनके प्रति भारत के आभार की प्रतीक होगी। जब तक नेताजी बोस की भव्य प्रतिमा पूरी नहीं हो जाती, तब तक उनकी होलोग्राम प्रतिमा उसी स्थान पर मौजूद रहेगी। मैं 23 जनवरी को नेताजी की जयंती पर इस होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण करूंगा।

उपराष्ट्रपति ने देश में कच्चे तेल के उत्पादन को बढ़ाकर राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया

नईदिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने आज देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के माध्यम से देश में कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया।

देश के ऊर्जा मिश्रण में आत्मनिर्भरता का आह्वान करते हुए, उन्होंने पेट्रोलियम की घरेलू खोज को बढ़ाने, नवीकरणीय स्रोतों की पूरी क्षमता का उपयोग करने और ऊर्जा उद्योग में उत्कृष्टता तथा नवाचार के लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया।

यह देखते हुए कि भारत कच्चे तेल का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश होने के बावजूद अपनी

80 प्रतिशत से अधिक जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। उन्होंने न केवल विदेशी मुद्रा बचाने के लिए बल्कि ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी उत्पादन बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन लाइसेंसिंग पॉलिसी (एचईएलपी) जैसे विभिन्न नीतिगत सुधारों का उद्देश्य नए तलछटी घाटियों में खोज कार्य में बढोत्तरी करना है।

उपराष्ट्रपति भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान (आईआईपीई) विशाखापत्तनम में पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह संस्थान पेट्रोलियम अनुसंधान के लिए एक समर्पित विश्वविद्यालय है और इसे 2017 में संसद के एक अधिनियम के माध्यम से राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में मान्यता दी गई थी।

बढ़ी हुई ऊर्जा मांग पर जनसंख्या और औद्योगिकरण के प्रभाव को देखते हुए नायडू ने कहा कि जहां शेष विश्व के लिए मांग की औसत दर में एक प्रतिशत से कम वृद्धि होने की उम्मीद है वहीं भारत की प्राथमिक ऊर्जा मांग 2045 तक 3 प्रतिशत से अधिक की औसत दर से बढ़ने का अनुमान है।

इस संबंध में नायडू ने आईआईपीई और अन्य ऊर्जा संस्थानों से पेट्रोलियम क्षेत्र के लिए कुशल मानवशक्ति की आपूर्ति के अंतर को पाटने और प्रख्यात बाजार दिग्गजों के साथ बेहतर उद्योग-संस्थान संबंधों का निर्माण करने का आह्वान किया।

उन्होंने पीएचडी छात्रों को उद्योग के सामने आ रही समस्याओं के बारे में अनुसंधान करने के बारे में प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। इससे अकादमिक अनुसंधान में एक बहुविषयी दृष्टिकोण आएगा जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य है।

यह देखते हुए कि भारत में सौर, पवन और ज्वारीय ऊर्जा जैसे पर्याप्त नवीकरणीय स्रोत उपलब्ध हैं, उपराष्ट्रपति ने जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने के प्रयासों के हिस्से के रूप में ऊर्जा के इन स्रोतों की क्षमता का पूरी तरह उपयोग करने का सुझाव दिया।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्होंने ऊर्जा में विशेषज्ञता रखने वाले संस्थानों को भी अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने के प्रयास करने चाहिए और ऐसी परियोजनाएं शुरू करनी चाहिए जिनका एक घटक नवीकरणीय ऊर्जा अनुसंधान हो। हरित स्रोतों के दोहन की क्षमता में किया गया छोटा सा सुधार भी हमारी अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी को बड़े पैमाने पर लाभ पहुंचाएगा।

उपराष्ट्रपति ने यह विश्वास जताया किया कि आईआईपीई ऊर्जा अनुसंधान के क्षेत्र में एक मिसाल बनकर आगे का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और स्नातक छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। नायडू ने 2016-20 और 2017-21 बैच के स्वर्ण पदक विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने सावधानी बरतने और कोविड-19 का कड़ाई से अनुपालन करने का आह्वान किया क्योंकि देश इस महामारी की तीसरी लहर से गुजर रहा है।